SKU शोध संचार

(INTERNATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)

Impact Factor SJIF 2025 – 5.306

अंक-4, खण्ड-3, अक्टूबर - दिसम्बर 2025 E-ISSN : 2584-2900

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की नई दिशा

कल्पना दीक्षित

सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर (.प्र.म)

शोध सारांश

यह नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली को सुधारने, सशक्त बनाने और 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के उद्देश्य से बनाई गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत सरकार द्वारा 29 जुलाई 2020 को जारी की गई थी। यह शिक्षा क्षेत्र में बड़े बदलाव और सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह नीति 34 साल बाद आई है, पिछली नीति 1986 में लागू की गई थी। का उद्देश्य शिक्षा को समावेशी, समृद्ध और अधिक सुलभ बनाना है, ताकि सभी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में यह विचार किया गया है कि शिक्षा को अधिक बहु-विषयक और लचीला बनाया जाए। छात्रों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विषय चुनने की स्वतंत्रता दी गई है जिससे उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलता है। उदाहरण के लिए, विज्ञान और कला विषयों को साथ में पढ़ने की अनुमति दी गई है, जिससे छात्रों के बीच अंतरविषयक सोच को बढ़ावा मिलता है। पुनः प्राथमिक शिक्षा और प्री-प्राइमरी शिक्षा को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर बच्चा पढ़ने, लिखने और गणना में सक्षम हो, प्रौद्योगिकी के सहारे समावेशी शिक्षा का अवसर प्रदान किया जाएगा।

मुख्य शब्द

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, भारतीय शिक्षा प्रणाली, परिवर्तन की नई दिशा, वैश्विक स्तर, शिक्षा का क्षेत्र, सामाजिक उत्तरदायित्व, समावेशी शिक्षा आदि।

प्रस्तावना

''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'', भारत की शिक्षा व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण बदलाव और सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस नीति का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाना है जिससे भारतीय शिक्षा प्रणाली को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी, समावेशी और समग्र बनाया जा सके। इसके तहत अनेक पहलुओं में सुधार की योजना है जिनका उद्देश्य छात्रों की सीखने की गुणवत्ता को बेहतर बनाना, देश में समानता को बढ़ावा देना, और भविष्य की चुनौतियों के लिए छात्रों को तैयार करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य सिर्फ शैक्षिक ज्ञान नहीं, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है। इसमें नैतिक और मानवीय मूल्यों, जैसे कि सहयोग, ईमानदारी, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित किया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में यह सुनिश्चित किया गया है कि मातृभाषा को प्राथमिक शिक्षा की भाषा के रूप में प्राथमिकता दी जाए। इसमें 5वीं कक्षा तक बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाने पर जोर दिया गया है और उच्च शिक्षा में भी क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा दिया गया है। यह कदम छात्रों के सीखने के अनुभव को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने के लिए उठाया गया है। कोरोना महामारी के बाद ऑनलाइन शिक्षा का महत्व और अधिक बढ़ गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में डिजिटल और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। इसमें डिजिटल शिक्षण सामग्री, शिक्षा की ऑनलाइन पहुंच, और शिक्षा के डिजिटलीकरण के लिए पहल की गई है। नीति के तहत, भारत में उच्च शिक्षा में सुधार की योजना बनाई गई है। इसमें एक राष्ट्रीय शोध की स्थापना, मल्टीडिसिप्लिनरी विश्वविद्यालयों की स्थापना, और वैश्विक स्तर पर भारतीय विश्वविद्यालयों को प्रतिस्पर्धी बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। शिक्षकों की भूमिका को सम्मानित और सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उनके प्रशिक्षण और पेशेवर विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके तहत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सुधार, समय-

समय पर प्रशिक्षण और मूल्यांकन प्रक्रिया में सुधार की योजना बनाई गई है। ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में यह सुनिश्चित करने की कोशिश की गई है कि शिक्षा हर वर्ग, जाति, धर्म, लिंग और शारीरिक क्षमता वाले लोगों तक पहुंचे। विशेष रूप से दिव्यांग छात्रों के लिए समावेशी शिक्षा का वातावरण तैयार किया जाएगा।

नीति में परीक्षा प्रणाली को भी नया रूप दिया गया है। अब परीक्षा का उद्देश्य केवल छात्रों का मूल्यांकन करना नहीं है, बल्कि उनके समग्र कौशल, सोचने की क्षमता और रचनात्मकता को परखना भी है। आंतरिक मूल्यांकन और बहुविकल्पीय परीक्षणों को बढ़ावा दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है, ताकि छात्रों को अपने करियर के लिए व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण मिल सके। यह कदम विशेष रूप से औद्योगिक आवश्यकताओं के साथ छात्रों के कौशल को मिलाने के लिए उठाया गया है।

नई शिक्षा संरचना "(5+3+3+4)'' यह संरचना पहले के 10+2 प्रणाली के स्थान पर लागू की जाएगी जिसमें बच्चों की विकासात्मक और शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षा को व्यवस्थित किया जाएगा। इसमें कक्षा 1-2 को Foundational Stage, कक्षा 3-5 को Preparatory Stage, कक्षा 6-8 को "Middle Stage" और कक्षा 9-12 को "Secondary Stage" के रूप में विभाजित किया गया है। पाठ्यक्रम को लचीला और छात्र केंद्रित बनाया गया है, जिसमें विज्ञान, गणित, कला, समाजशास्त्र, और तकनीकी शिक्षा का मिश्रण होगा। बच्चों को समीक्षात्मक सोच और "रचनात्मक" की ओर अधिक प्रवृत्त किया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में डिजिटल शिक्षा और तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देने पर बल दिया गया है। ''ई-सामग्री'' और ''ऑनलाइन सीखना'' के माध्यम से शिक्षा की पहुँच को बढ़ाने का प्रस्ताव किया गया है, खासकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में। ''National Educational Technology Forum (NETF)'' का निर्माण, जो शैक्षिक संस्थाओं के लिए तकनीकी समर्थन प्रदान करेगा। छम्च् 2020 में यह सुनिश्चित किया गया है कि भारतीय भाषाओं का अधिक से अधिक प्रयोग किया

जाए। छात्रों को मातृभाषा, स्थानीय भाषा और क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा देने का सुझाव दिया गया है, जिससे उनकी बुनियादी समझ में वृद्धि हो और वे अपनी संस्कृति से जुड़ सकें। ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षक शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। ''मार्गदर्शन के लिये राष्ट्रीय मिशन'' के अंतर्गत शिक्षक प्रशिक्षकों की नियुक्ति और उनके निरंतर प्रशिक्षण का प्रस्ताव किया गया है, ताकि वे नई शिक्षा पद्धतियों के अनुरूप अपने ज्ञान और कौशल को अपडेट कर सकें। छम्च् का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह बच्चों के बीच समान अवसर सुनिश्चित करता है, विशेष रूप से लड़कियों, कमजोर वर्गों, दिव्यांग बच्चों और अन्य हाशिए पर रहने वाले समूहों के लिए। ''सबके लिये शिक्षा'' के सिद्धांत को लागू किया गया है जिसमें सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाएगी। शिक्षा क्षेत्र में निवेश को बढ़ाने के लिए बजट आवंटन को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लक्ष्य है कि सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 6 प्रतिशत शिक्षा क्षेत्र में निवेश हो। इन संस्थाओं को समग्र शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने और नई शिक्षा पद्धतियों को लागू करने के लिए एकीकृत रूप से कार्य करने की जिम्मेदारी दी गई है।

उद्देश्य

- शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देना और हर स्तर पर सुलभ बनाना।
- आधुनिक तकनीकी और नवाचार का उपयोग कर शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाना।
- समाज के वंचित और कमजोर वर्गों (SC, ST, OBC, दिव्यांग और महिलाओं) के लिए शिक्षा को सुलभ बनाना। छात्रों के मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक विकास के लिए समग्र शिक्षा प्रणाली लागू करना।
- पाठ्यक्रम में सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों जैसे कला, खेल, और संगीत को शामिल करना।
- रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना।

शोध प्रविधि

उच्च गुणवत्ता वाली शोध को बढ़ावा देना कि भारत के विश्वविद्यालयों और शैक्षिक संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देने के लिए कार्य किया जाएगा। इसके लिए संस्थानों को स्वायत्तता और शोध के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। नीति में यह बताया गया है कि शोध को विभिन्न विषयों और क्षेत्रों के बीच एकीकृत किया जाएगा, ताकि अंतर-विभागीय और अंतर-राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा मिल सके। इसके परिणामस्वरूप शोध में नवाचार और रचनात्मकता का संचार होगा। यह छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए नई दिशा को खोलता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में डिजिटल शिक्षा और तकनीकी उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा दिया गया है। शोध प्रविधियों को आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्थापित करने के लिए संसाधनों का प्रावधान किया जाएगा, जिससे शोध में प्रभावी डेटा संग्रहण, विश्लेषण, और प्रसार की प्रक्रिया को सरल बनाया जा सके। शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाले शोध कार्यों के लिए पुरस्कार और अन्य प्रोत्साहन दिए जाएं, ताकि उनका मनोबल बढ़े और शोध के प्रति उनके उत्साह में वृद्धि हो। ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय विश्वविद्यालयों और संस्थानों में शोध प्रबंधन प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने का प्रस्ताव है। इसके तहत शोध परियोजनाओं का मूल्यांकन, निगरानी और प्रशासनिक प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए नए ढांचे का निर्माण किया जाएगा। नीति में यह भी कहा गया है कि विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप, एकजुट होकर शोध परियोजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सकेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सिद्धांत

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020) भारत की शिक्षा प्रणाली को समावेशी, लचीला, और 21वीं सदी की जरूरतों के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। इस नीति के सिद्धांत शिक्षा के हर स्तर पर व्यापक सुधार और नवाचार को सुनिश्चित करते हैं।

हर बच्चे को विशिष्ट क्षमताओं की स्वीकृति, पहचान और उसके विकास हेतु प्रयास करना। बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को सर्वाधिक प्राथमिकता देनानिपुण भारत : अभियान के तहत कक्षा3 तक या 9 वर्ष तक साक्षरता में संख्या ज्ञान को प्राथमिकता देना। लचीलापन- विद्यार्थियों को रुचि में योग्यताओं के अनुसार विषय चुनने की स्वतंत्रता हो। सम्बद्धता- सभी ज्ञान की एकता में अखंडता सुनिश्चित करने के लिए सभी विषयों को जोड़कर पढ़ाना, अवधारणात्मक समझ कर जोर देना रहने न केवल परीक्षा पर बल देने का विरोध करता है।

रचनात्मक व तार्किक सोच तार्किक निर्णय लेने व नवाचारों पर बल देना, नैतिकता, मानवीय और संवैधानिक मूल्यों पर बल देना, बहुभाषिकता प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में देते हुए बहुभाषिकता पर बल देना, जीवन कौशल पर बल देना, सीखने के लिए सतत मूल्यांकन पर जोर देना, तकनीकी के यथासंभव उपयोग पर जोर देना, विविधता और स्थानीय परिवेश के लिए एक समान प्रभाव देना तथा सभी शैक्षणिक निर्णयों की आधारशिला के रूप में पूर्ण समता और समावेशन तथा शिक्षा को लोगों की पहुंच और सामर्थ्य के दायरे में रखना।

निष्कर्ष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली के मौजूदा हालात, समाज और अर्थव्यवस्था में हो रहे बदलावों और वैश्विक शिक्षा की दिशा में चल रहे प्रयासों से प्रेरित है। यह नीति न केवल शिक्षा को आधुनिक युग के अनुरूप ढालती है बल्कि भारतीय मूल्यों और परंपराओं को भी प्राथमिकता देती है। एनईपी 2020 भारत की शिक्षा प्रणाली को अधिक समावेशी, लचीला और रोजगारोन्मुख बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह छात्रों को उनकी प्रतिभा और रुचि के अनुसार पढ़ाई और कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान करती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली में गहरे और प्रभावी बदलाव की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। यह न केवल शैक्षिक स्तर पर सुधार की कोशिश कर रही है,

बल्कि समाज में समावेशिता, विविधता और गुणवत्ता का भी समर्थन करती है। इसके द्वारा हम एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की ओर बढ़ सकते हैं, जो छात्रों को रोजगार के साथ-साथ उनके समग्र विकास के लिए तैयार कर सके। भारतीय शिक्षा प्रणाली में यह नीति 21वीं सदी के ज्ञान आधारित समाज की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। छात्रों के बीच वैश्विक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने और उन्हें नौकरी देने योग्य कौशल प्रदान करने का उद्देश्य है। यह नीति एक समावेशी और सशक्त भारतीय समाज बनाने में सहायक हो सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की एक नई दिशा प्रस्तुत करती है। इसका उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार करना नहीं है, बल्कि छात्रों को आलोचनात्मक सोच, आत्मनिर्भरता और जीवन कौशल से लैस करना है। शिक्षा के इस समग्र दृष्टिकोण से भारतीय शिक्षा प्रणाली में गुणात्मक सुधार लाने की उम्मीद है।

सुझाव

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का ऐतिहासिक संदर्भ'' कैसे पहले की शिक्षा नीतियों से यह नीति अलग है और इसमें कौन से नए सुधार किए गए हैं।
2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावों का विश्लेषण'' कैसे यह नीति छात्रों, शिक्षकों और शैक्षिक संस्थाओं पर प्रभाव डालेगी।
3. ''क्षेत्रीय और वैश्विक संदर्भ में ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'' अन्य देशों के शिक्षा नीतियों की तुलना में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्या महत्व है।
4. ''समीक्षा और आलोचना''रू इस नीति के कुछ संभावित कमजोर पक्षों पर भी विचार करें और यह कैसे चुनौतीपूर्ण हो सकता है।
5. शिक्षा न केवल अकादमिक ज्ञान प्रदान करे, बल्कि जीवन कौशल, रचनात्मकता, और व्यक्तित्व विकास पर भी जोर दिया जाए।
6. शिक्षा को ''होलिस्टिक'' (समग्र और (''आधिकारिक'' बनाने की कोशिश की गई है ताकि छात्रों को केवल किताबों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें व्यावहारिक जीवन में काम आने वाले कौशल भी मिल सकें।

7. नीति में ''आधुनिक प्रारंभिक शिक्षा'' पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। 3-6 वर्ष तक के बच्चों के लिए ''प्रारंभिक शिक्षा'' को अनिवार्य किया गया है। इसका उद्देश्य बच्चों को अच्छे शैक्षिक अनुभवों से परिचित कराना और उन्हें सामाजिक, मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए उपयुक्त वातावरण प्रदान करना है।
8. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में ''परीक्षाओं'' के तरीके में भी सुधार किए गए हैं। ''सीमित रटंत शिक्षा'' की जगह ''समझ आधारित मूल्यांकन'' को प्रोत्साहित किया गया है।
9. परीक्षा को वर्ष में एक बार लेने के बजाय, इसे ''क्विज़ आधारित और बहु-विकल्पीय रूप में'' किया जाएगा, ताकि बच्चों की समझ और कौशल पर ध्यान दिया जा सके।
10. इस नीति में ''बहुभाषावाद'' को बढ़ावा दिया गया है। छात्रों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा दी जाएगी ताकि वे पहले अपनी भाषा में मजबूत आधार बना सकें।
11. ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में ''शिक्षा में प्रौद्योगिकी का समावेश'' महत्वपूर्ण स्थान रखता है। डिजिटल शिक्षा और ऑनलाइन कक्षाओं का समर्थन किया गया है, खासकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में। इसमें स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल सामग्री, और ऑनलाइन परीक्षाओं के माध्यम से शिक्षा को ज्यादा ''समावेशी'' और ''सुलभ'' बनाने का प्रयास किया गया है।

संदर्भ स्रोत

1. सिंह, प्रोफेसर दिनेश, (29 जुलाई 2020), 'स्कूली और उच्च शिक्षा की बेड़ियां खोलेगी नई शिक्षा नीति', द क्विंट, मूल से 15 मई 2021 को पुरालेखित, अभिगमन तिथि :30 जुलाई 2020.
2. सिंह, सरोज (30 जुलाई 2020), 'नई शिक्षा नीति 2020: सिर्फ़ आरएसएस का एजेंडा या आम लोगों की बात भी', बीबीसी हिन्दी, अभिगमन तिथि :31 जुलाई, 2020.
3. 'नई शिक्षा नीति: पढ़ाई, परीक्षा, रिपोर्ट कार्ड सब में होंगे ये बड़े बदलाव', आज तक, अभिगमन तिथि, 30 जुलाई, 2020.

4. नई शिक्षा नीति पर BJP अध्यक्ष जेपी नड्डा बोलेन -ई शिक्षा नीति नए भारत की जरूरतों को ध्यान में रखती है', पंजाब केसरी, 29 जुलाई, 2020, मूल से से 30 जुलाई 2020 को पुरालेखित, अभिगमन तिथि 30 जुलाई, 2020.
5. 'नई शिक्षा नीति-2020: प्रमुख पॉइंट्स एक नजर में', 30 जुलाई 2020, अभिगमन तिथि : 30 जुलाई, 2020.
6. 'नई शिक्षा नीति', नवभारत टाइम्स, अभिगमन तिथि :31 जुलाई, 2020.
7. 'नई शिक्षा नीतिपढ़ाई :, परीक्षा, रिपोर्ट कार्ड सब में होंगे ये बड़े बदलाव', आज तक, अभिगमन तिथि :30 जुलाई, 2020.
8. Rohatgi, Anubha,ed- (2020-08-07)- "Highlights NEP will play role in reducing gap between research and educational in India: PM Modi" - Hindustan Times - अभिगमन तिथि :2020-08-08.
9. New Education Policy 2020: 5वीं तक पढ़ाई अब मातृभाषा में, स्नातक तक प्रवेश की एक परीक्षा', अमर उजाला, अभिगमन तिथि :31